॥ श्री महावीराय नम : ॥

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

७ जुलाई २०२४ महिला मंडल कुल गुण : १००

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

OPEN BOOK / REGULAR श्रेणी २ WRITER YES / NO

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
SANGH NAME		SUPERVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		SUPERVISOR'S SIGN.	

MARKS

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमणना आधारे लखो।

(१) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। (१२)

१. सामाईयं .... पज्जुवासामि

२. न फासियं .... आणाए

३. सिव .... मपुणराविति

४. पसीयंतु .... उत्तमा

(२) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। (६)

१. तित्थयरा .... २. मुच्छाए ....

३. सरणदयाणं .... ४. करेमि ....

५. संकमणे .... ६. मुत्ताणं ....

(३) नीचेना शब्दोना मूल पाठ (मागधी शब्द) लखो। (६)

१. परित्याग करुं छुं .... २. श्रुतधर्मनी आदि करनारा ....

३. भागे नहीं .... ४. तेनी आलोचना करुं छुं ....

५. स्तुति करायेला .... ६. ऊंचो श्वास लेवाथी ....

(४) नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो। (१८)

१. परमात्मानी भक्तिथी केवा भाव प्रगटे छे? (८)

....

२. अतिचार एटले शुं? ....

३. सामायिक द्वारा कया श्रावकधर्मनुं पालन थाय छे?

....

४. आपणी सर्व प्रवृत्तिना मूळमां शुं छे?

....

५. राजकथा एटले शुं? ....

६. नमोत्थुणंमां तीर्थंकरने कइ उपमाओ आपी छे?

....

७. धर्मतीर्थ कोने कहे छे? ....

८. सामायिकनी प्रतिज्ञा कोनी साक्षीए लेवाय छे? ....

....

९. बे शब्दोमां उत्तर लखो। (५)

१) लोगस्सना बीजा नाम लखो। ....

२) सामायिकनी साधना केवी छे? ....

३) नमोत्थुणंमां शेनी उर्मिओनो सागर लहेराय छे? ....

४) सामायिकमां पच्चक्खाण द्वारा शेने कंट्रोलमां राखवानो अभ्यास थाय छे? ....

५) धर्मना केटला प्रकार बताव्या छे? ....

१०. खाली जग्या पूरो। (३)

१) सागरमां .... और .... आवे छे। ....

२) सामायिकमां ...... नो स्पर्श न कराय। ....

३) तीर्थंकर ...... की स्थापना करे छे। ....

४) श्रावक ...... के प्रति जागृत बनता है। ....

५) सामायिकमां ...... आदि शुभ प्रवृत्तिथी पुण्यनो बंध थाय छे। ....

११. आंकडामां जवाब लखो। (२)

१) उत्कृष्ट तीर्थंकर .... **२) सिद्धगति की विशेषता दर्शावता शब्द** ....

३) वचनना दोष .... ४) क्रियाना प्रकार ....

(२०)

प्र. २ सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।

(१) नीचेना प्रश्नोंना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो। **(१०)**

१. तीर्थंकर ८ अने १६ ....

२. अभिगम २ अने ४ ....

३. तत्त्व ४ अने ८ ....

४. अशुभ गति ....

५. आपणुं लक्ष्य ....

६. धर्म अनुरागथी अनुरक्त बनवुं ....

(२) नीवेना प्रश्नोंना उत्तर टूंकमां लखो। **(१०)**

१. भगवान पासे शुं प्रार्थना करवानी छे? नरकमां कोण समभावमों रहे छे?

....

....

२. अंजलीकरण समजावो। ....

....

....

३. अत्यारे तीर्थंकर कया क्षेत्रमां छे? त्यां केटला तीर्थंकर छे? तेमना नामथी शुं थाय छे? क्यां तीर्थंकर नथी?

....

....

४. संतो माटे सचेत वस्तु शा माटे दोषनुं कारण छे? उत्तरसंगथी कया जीवोंनी रक्षा थाय छे?

....

....

५. देव गतिमां कोण जाय छे? ....

....

(१५)

प्र. ३ संस्कार विभागना आधारे लखो।

(१) नीचेना प्रश्नोंना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो। **(१०)**

१. आपणो कर्मसिद्धांत शुं छे? .... (१×८)

....

२. आत्माना गुण कया छे? ....

३. तिथि शेना आधारे नक्की थाय छे? ....

४. मीणबत्ती पेटाववाथी कया जीवोनी हिंसा थाय छे?

....

५. महिनाना पहेला पंदर दिवसने शुं कहेवाय। तेमां केटली तिथि आवे?

....

६. शुभ दिवसनी शरुआत केवी रीते करवानी? ....

७. आत्मा क्यारथी छे? ....

८. जैन धर्ममां शेने महत्त्व आप्युं छे? ....

९. आत्माने केटला अने कया बोल द्वारा जाणवानो छे? (२)

....

....

(२) खाली जग्या पूरो। **(५)**

१. जैन धर्मना सिद्धांतो प्रमाणे आपणी ......, ... अने ...... राखवुं जोइए। ....

२. फ्रेन्डस साथे ......, ... अने ...... करीए छीए। ....

३. तिथिना दिवसोमां ......, ..., ... आदिनो त्याग करवो जोइए। ....

४. आत्मा ...... मांथी बनेलो नथी । ....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञानना आधार पर नीचेना वाक्य साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारो।

१. नय एटले दृष्टीकोण। ....

२. वस्तु प्रत्ये मूर्च्छा राखवी ते अपरिग्रह। ....

३. आपणुं जीवन द्रव्यथी हिंसामय और भावथी अहिंसामय होवुं जोइए।

....

४. भगवाने अमूल्य बोध २५०० वर्ष पहेला आप्यो हतो। ....

५. जेवुं अन्न तेवुं मन। ....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधारे नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।

१. साचा संयमी कोण छे? ....

२. शा माटे आपणा पुण्यनो उदय छे? ....

३. दुनियानो नियम शुं छे? ....

४. वृद्धे शुं व्यक्त कर्युं? ....

५. हाथीने कयुं ज्ञान उत्पन्न थयुं? ....

६. परमात्मानुं वचन आपणा माटे जीवनमंत्र बनी जाय तो शुं थाय?

....

७. आपणा हाथने आपणे केवा बनाववा जोइए? ....

८. प्रभुनी वाणी शेनाथी बचावे छे? ....

९. मरीचिए कपिलने शुं कहीने पोतानो शिष्य बनाव्यो? ....

१०. ऋषभदेव पूर्वभवमां शुं हता? तेमना मित्र केटला हता? ....

(१०)

प्र. ६ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।

१. विसहर ....

.... उवसामं।

२. वेर ....

.... भरवुं छे।

३. घरनी ....

.... बनजे।

४. निर्ग्रंथ ....

.... वारंवार।

५. खाली जग्या पूरो।

१) ......, ... रही, सहुना दिल जीतवा छे। ....

३) ...... नो त्याग करजे, ... मां रमणता धरजे। ....

जय जिनेन्द्र

❋ PLEASE CONATADØCT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
❋ NEXT CLASS STARTS AUGUST 6TH/7TH MONDAY AND TUESDAY
❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914
❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION